BPSC-109: तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राजनीतिक प्रक्रियाएँ और संस्थाएँ

(ट्यूटर द्वारा मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: BPSC-109

सत्रीय कार्य कोड: BPSC-109/ASST/TMA/2026-27

अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

(2 × 20 = 40 अंक)

6. राजनीतिक आधुनिकीकरण और राजनीतिक विकास के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। तुलनात्मक राजनीति के लिए उनके महत्व की व्याख्या कीजिए।

7. कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत में संघवाद की प्रकृति और कार्यप्रणाली की तुलना कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

(3 × 10 = 30 अंक)

3. राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा और उसके प्रमुख घटकों की व्याख्या कीजिए।

4. चुनाव प्रणालियों के प्रमुख प्रकारों और उनके राजनीतिक परिणामों पर चर्चा कीजिए।

5. ब्राजील, भारत और ब्रिटेन में विकेंद्रीकरण की प्रक्रियाओं की तुलना कीजिए।

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

(5 × 6 = 30 अंक)

6. राजनीतिक दलों की कार्यप्रणाली

7. दलीय व्यवस्थाएँ

8. दबाव समूह

9. उत्तर-औपनिवेशिक राज्य

10. उत्तर-सत्तावादी और उत्तर-साम्यवादी देशों में लोकतंत्रीकरण

6. राजनीतिक आधुनिकीकरण और राजनीतिक विकास के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। तुलनात्मक राजनीति के लिए उनके महत्व की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:

राजनीतिक आधुनिकीकरण और राजनीतिक विकास तुलनात्मक राजनीति की महत्वपूर्ण अवधारणाएँ हैं। दोनों राजनीतिक परिवर्तन को समझने में सहायता करती हैं, किंतु इनके अर्थ, मानदंड और परिणाम एक जैसे नहीं हैं। राजनीतिक आधुनिकीकरण सामान्यतः परंपरागत सामाजिक-राजनीतिक संरचनाओं से अधिक विभेदित, व्यापक सहभागिता वाली और आधुनिक संचार तथा प्रशासन से जुड़ी व्यवस्था की ओर परिवर्तन को दर्शाता है। राजनीतिक विकास का प्रश्न यह है कि बदलती माँगों के बीच राजनीतिक संस्थाएँ कितनी प्रभावी, उत्तरदायी, स्थिर और अनुकूलनशील बनती हैं। इसलिए किसी देश में तीव्र आधुनिकीकरण के साथ कमजोर संस्थागत विकास भी दिखाई दे सकता है।

राजनीतिक आधुनिकीकरण की प्रकृति

आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में नगरीकरण, औद्योगीकरण, शिक्षा का विस्तार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जनसंचार, आर्थिक गतिशीलता और सामाजिक संरचनाओं में परिवर्तन परस्पर जुड़े रहते हैं। राजनीति पर इनका प्रभाव यह होता है कि नागरिकों की आकांक्षाएँ बढ़ती हैं, परंपरा पर आधारित अधिकार को चुनौती मिलती है तथा नए संगठन और राजनीतिक पहचान उभरते हैं। वंश, जाति, स्थानीय प्रभुत्व या धार्मिक प्रतिष्ठा के साथ-साथ संविधान, कानून, नागरिकता, दल और निर्वाचित संस्थाएँ राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित करने लगती हैं। यह परिवर्तन हमेशा एक दिशा में या समान गति से नहीं होता; पुरानी और नई संस्थाएँ लंबे समय तक साथ रह सकती हैं।

राजनीतिक आधुनिकीकरण के कुछ प्रमुख लक्षण हैं—शासन के कार्यों का संस्थाओं में विशेषीकरण, प्रशासन का नियमाधारित होना, निर्णयों पर सार्वजनिक बहस का विस्तार, नागरिक सहभागिता का बढ़ना तथा व्यापक राष्ट्रीय राजनीतिक समुदाय का निर्माण। उदाहरण के लिए शिक्षा और संचार के विस्तार से दूरदराज के नागरिक राष्ट्रीय मुद्दों को अधिक जान सकते हैं। किंतु जब रोजगार, अधिकार और सेवाओं की अपेक्षाएँ शासन की क्षमता से बहुत तेज़ी से बढ़ती हैं, तब विरोध, असंतोष या